SET-1

Series SGN

कोड नं.
Code No. **2/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *15*

हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं । उनकी बेचैनी समझ में नहीं आती । संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है ? यहाँ हम केवल एक ही प्रावधान को याद करें । संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा गया है : 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्त्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यत: संस्कृत से और गौणत: अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे ।'

यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए हैं । सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया ? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए ? क्यों और कैसे अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है । शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा ?

(क) भाषा व्यवसायी से क्या अभिप्राय है ? उनकी पोल कब खुलने लगती है ? *2*

(ख) संविधान में 'संघ' से आप क्या समझते हैं ? हिन्दी भाषा को लेकर संघ का क्या कर्तव्य बताया गया है ? *2*

(ग) हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता क्यों है ? *2*

(घ) भारत की अन्य भाषाओं से लेखक का क्या तात्पर्य है ? यहाँ उनका उल्लेख क्यों हुआ है ? *2*

(ङ) 'अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता' से क्या तात्पर्य है ? उसका क्या परिणाम हो रहा है ? *2*

(च) यह कैसे कह सकते हैं कि हमारी अपनी भाषा का भविष्य संकट में है ? *2*

(छ) हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं के वर्चस्व से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे संभव हो सकता है ? *2*

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है
करुणा, क्षमा हैं वीर जाति के कलंक घोर
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का श्रृंगार है ।

प्रतिशोध से हैं होती शौर्य की शिखाएँ दीप्त
प्रतिशोध-हीनता नरों में महापाप है,
छोड़ प्रीति-वैर पीते मूक अपमान वे ही
जिनमें न शेष शूरता का वह्नि-ताप है
जेता के विभूषण सहिष्णुता-क्षमा हैं किंतु
हारी हुई जाति की सहिष्णुता अभिशाप है ।

सेना साजहीन है परस्व हरने की वृत्ति
लोभ की लड़ाई क्षात्र धर्म के विरुद्ध है
चोट खा परंतु जब सिंह उठता है जाग
उठता कराल प्रतिशोध हो प्रबुद्ध है
पुण्य खिलता है चंद्रहास की विभा में तब
पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।

(क) क्षमा कब कलंक और कब श्रृंगार हो जाती है ?

(ख) प्रतिशोध किसे कहते हैं ? वह कब आवश्यक होता है ?

(ग) सहिष्णुता को विभूषण और अभिशाप दोनों क्यों माना गया ?

(घ) कैसा युद्ध धर्म के विरुद्ध माना गया है ?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए – 'पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।'

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कम्प्यूटर : मेरे जीवन में

(ख) भारत की सामाजिक समस्याएँ

(ग) स्वाभिमान चाहिए, अभिमान नहीं

(घ) विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

4. दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) 'पेज थ्री पत्रकारिता' का आशय समझाइए ।

(ख) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?

(ग) विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए ।

(घ) 'बीट' से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) रेडियो की लोकप्रियता के क्या कारण हैं ?

6. 'गाँव से मज़दूरों का पलायन' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए । *5*

अथवा

हाल ही में पढ़ी यात्रा-वृत्तांतों की किसी पुस्तक की संतुलित समीक्षा लगभग 150 शब्दों में लिखिए ।

7. 'महानगरों में आवास की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों में फ़ीचर लिखिए । *5*

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है ।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(क) किसके बच्चों की बात की गई है, वे नीड़ों से क्यों झाँक रहे हैं ?

(ख) चिड़ियों की उड़ान में गति आने और कवि के शिथिल क़दमों के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) कवि अपने आप से क्या प्रश्न करता है ? क्यों ?

(घ) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है ?

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना
काग़ज़ का एक पन्ना
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

(क) छोटे खेत और काग़ज़ का रूपक समझाइए ।

(ख) रचना के संदर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) कल्पना को रसायन क्यों कहा गया है ?

(घ) 'पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी ।

(क) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) प्रयुक्त आलंकारिक सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3+3=6*

(क) कवितावली से आपकी पाठ्य-पुस्तक में उद्धृत छंदों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ है ।

(ख) 'कविता के बहाने' कविता में कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को 'बादल राग' कविता रेखांकित करती है ?

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो और मन ख़ाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है । जेब ख़ाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है ।

(क) 'बाज़ार में एक जादू है' कथन का क्या आशय है ? यह जादू कैसे काम करता है ?

(ख) इस जादू की मर्यादा क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मन ख़ाली होने का क्या अर्थ है ? इसका परिणाम क्या होता है ?

(घ) मन पर जादू का असर कब और कैसे दिखाई देता है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3×4=12*

(क) ‘काले मेघा पानी दे’ के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए ।

(ख) पहलवान की ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ? कैसे ?

(ग) आपके विचार से चार्ली चैप्लिन की सर्व-स्वीकार्यता के क्या कारण हो सकते हैं ?

(घ) ‘नमक’ कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) शिरीष और महात्मा गाँधी की तुलना किस आधार पर की गई है ?

13. भूषण के द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देने पर यशोधर पंत के मन में उत्साह का अभाव किन जीवन मूल्यों की उपेक्षा के कारण दिखाई देता है ? बुज़ुर्ग पीढ़ी हमसे क्या अपेक्षा करती है ? (लगभग 150 शब्दों में लिखिए) *5*

14. (क) आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में ‘जूझ’ के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? लगभग 150 शब्दों में तर्क सहित उत्तर दीजिए । *5*

(ख) “सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।” सोदाहरण पुष्टि कीजिए । (लगभग 150 शब्दों में) *5*

SET-2

Series SGN

कोड नं.
Code No. 2/2

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है
करुणा, क्षमा हैं वीर जाति के कलंक घोर
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का शृंगार है ।

प्रतिशोध से हैं होती शौर्य की शिखाएँ दीप्त
प्रतिशोध-हीनता नरों में महापाप है,
छोड़ प्रीति-वैर पीते मूक अपमान वे ही
जिनमें न शेष शूरता का वह्नि-ताप है
जेता के विभूषण सहिष्णुता-क्षमा हैं किंतु
हारी हुई जाति की सहिष्णुता अभिशाप है ।

सेना साजहीन है परस्व हरने की वृत्ति
लोभ की लड़ाई क्षात्र धर्म के विरुद्ध है
चोट खा परंतु जब सिंह उठता है जाग
उठता कराल प्रतिशोध हो प्रबुद्ध है
पुण्य खिलता है चंद्रहास की विभा में तब
पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।

(क) क्षमा कब कलंक और कब शृंगार हो जाती है ?

(ख) प्रतिशोध किसे कहते हैं ? वह कब आवश्यक होता है ?

(ग) सहिष्णुता को विभूषण और अभिशाप दोनों क्यों माना गया ?

(घ) कैसा युद्ध धर्म के विरुद्ध माना गया है ?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए – 'पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।'

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *15*

हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं । उनकी बेचैनी समझ में नहीं आती । संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है ? यहाँ हम केवल एक ही प्रावधान को याद करें । संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा गया है : 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्त्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यत: संस्कृत से और गौणत: अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे ।'

यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए हैं । सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया ? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए ? क्यों और कैसे अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है । शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा ?

(क) भाषा व्यवसायी से क्या अभिप्राय है ? उनकी पोल कब खुलने लगती है ? *2*

(ख) संविधान में 'संघ' से आप क्या समझते हैं ? हिन्दी भाषा को लेकर संघ का क्या कर्तव्य बताया गया है ? *2*

(ग) हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता क्यों है ? *2*

(घ) भारत की अन्य भाषाओं से लेखक का क्या तात्पर्य है ? यहाँ उनका उल्लेख क्यों हुआ है ? *2*

(ङ) 'अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता' से क्या तात्पर्य है ? उसका क्या परिणाम हो रहा है ? *2*

(च) यह कैसे कह सकते हैं कि हमारी अपनी भाषा का भविष्य संकट में है ? *2*

(छ) हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं के वर्चस्व से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे संभव हो सकता है ? *2*

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

खण्ड ख

3. दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

4. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कम्प्यूटर : मेरे जीवन में

(ख) भारत की सामाजिक समस्याएँ

(ग) स्वाभिमान चाहिए, अभिमान नहीं

(घ) विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए ।

(ख) 'बीट' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) रेडियो की लोकप्रियता के क्या कारण हैं ?

(घ) 'पेज थ्री पत्रकारिता' का आशय समझाइए ।

(ङ) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?

6. 'महानगरों में आवास की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों में फ़ीचर लिखिए । *5*

7. 'गाँव से मज़दूरों का पलायन' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए । *5*

अथवा

हाल ही में पढ़ी यात्रा-वृत्तांतों की किसी पुस्तक की संतुलित समीक्षा लगभग 150 शब्दों में लिखिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है ।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(क) किसके बच्चों की बात की गई है, वे नीड़ों से क्यों झाँक रहे हैं ?

(ख) चिड़ियों की उड़ान में गति आने और कवि के शिथिल क़दमों के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) कवि अपने आप से क्या प्रश्न करता है ? क्यों ?

(घ) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है ?

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना
काग़ज़ का एक पन्ना
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

(क) छोटे खेत और काग़ज़ का रूपक समझाइए ।

(ख) रचना के संदर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) कल्पना को रसायन क्यों कहा गया है ?

(घ) 'पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3+3=6*

(क) कवितावली से आपकी पाठ्य-पुस्तक में उद्धृत छंदों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ है ।

(ख) 'कविता के बहाने' कविता में कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को 'बादल राग' कविता रेखांकित करती है ?

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी ।

(क) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) प्रयुक्त आलंकारिक सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो और मन ख़ाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है । जेब ख़ाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है ।

(क) 'बाज़ार में एक जादू है' कथन का क्या आशय है ? यह जादू कैसे काम करता है ?

(ख) इस जादू की मर्यादा क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मन ख़ाली होने का क्या अर्थ है ? इसका परिणाम क्या होता है ?

(घ) मन पर जादू का असर कब और कैसे दिखाई देता है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3×4=12*

(क) आपके विचार से चार्ली चैप्लिन की सर्व-स्वीकार्यता के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ख) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ग) शिरीष और महात्मा गाँधी की तुलना किस आधार पर की गई है ?

(घ) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए ।

(ङ) पहलवान की ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ? कैसे ?

13. भूषण के द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देने पर यशोधर पंत के मन में उत्साह का अभाव किन जीवन मूल्यों की उपेक्षा के कारण दिखाई देता है ? बुज़ुर्ग पीढ़ी हमसे क्या अपेक्षा करती है ? (लगभग 150 शब्दों में लिखिए) *5*

14. (क) "सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।" सोदाहरण पुष्टि कीजिए । (लगभग 150 शब्दों में) *5*

(ख) आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में 'जूझ' के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? लगभग 150 शब्दों में तर्क सहित उत्तर दीजिए । *5*

SET-3

Series SGN

कोड नं.
Code No. **2/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *15*

हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं । उनकी बेचैनी समझ में नहीं आती । संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है ? यहाँ हम केवल एक ही प्रावधान को याद करें । संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा गया है : 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्त्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यत: संस्कृत से और गौणत: अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे ।'

यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए हैं । सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया ? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए ? क्यों और कैसे अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है । शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा ?

(क) भाषा व्यवसायी से क्या अभिप्राय है ? उनकी पोल कब खुलने लगती है ? *2*

(ख) संविधान में 'संघ' से आप क्या समझते हैं ? हिन्दी भाषा को लेकर संघ का क्या कर्तव्य बताया गया है ? *2*

(ग) हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता क्यों है ? *2*

(घ) भारत की अन्य भाषाओं से लेखक का क्या तात्पर्य है ? यहाँ उनका उल्लेख क्यों हुआ है ? *2*

(ङ) 'अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता' से क्या तात्पर्य है ? उसका क्या परिणाम हो रहा है ? *2*

(च) यह कैसे कह सकते हैं कि हमारी अपनी भाषा का भविष्य संकट में है ? *2*

(छ) हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं के वर्चस्व से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे संभव हो सकता है ? *2*

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है
करुणा, क्षमा हैं वीर जाति के कलंक घोर
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का शृंगार है ।

प्रतिशोध से हैं होती शौर्य की शिखाएँ दीप्त
प्रतिशोध-हीनता नरों में महापाप है,
छोड़ प्रीति-वैर पीते मूक अपमान वे ही
जिनमें न शेष शूरता का वह्नि-ताप है
जेता के विभूषण सहिष्णुता-क्षमा हैं किंतु
हारी हुई जाति की सहिष्णुता अभिशाप है ।

सेना साजहीन है परस्व हरने की वृत्ति
लोभ की लड़ाई क्षात्र धर्म के विरुद्ध है
चोट खा परंतु जब सिंह उठता है जाग
उठता कराल प्रतिशोध हो प्रबुद्ध है
पुण्य खिलता है चंद्रहास की विभा में तब
पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।

(क) क्षमा कब कलंक और कब शृंगार हो जाती है ?

(ख) प्रतिशोध किसे कहते हैं ? वह कब आवश्यक होता है ?

(ग) सहिष्णुता को विभूषण और अभिशाप दोनों क्यों माना गया ?

(घ) कैसा युद्ध धर्म के विरुद्ध माना गया है ?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए – 'पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।'

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कम्प्यूटर : मेरे जीवन में

(ख) भारत की सामाजिक समस्याएँ

(ग) स्वाभिमान चाहिए, अभिमान नहीं

(घ) विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

4. 'गाँव से मज़दूरों का पलायन' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए । *5*

अथवा

हाल ही में पढ़ी यात्रा-वृत्तांतों की किसी पुस्तक की संतुलित समीक्षा लगभग 150 शब्दों में लिखिए ।

5. 'महानगरों में आवास की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों में फ़ीचर लिखिए । *5*

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) 'पेज थ्री पत्रकारिता' का आशय समझाइए ।

(ख) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?

(ग) विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए ।

(घ) 'बीट' से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) रेडियो की लोकप्रियता के क्या कारण हैं ?

7. दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

छोटा मेरा खेत चौकोना
काग़ज़ का एक पन्ना
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

(क) छोटे खेत और काग़ज़ का रूपक समझाइए ।

(ख) रचना के संदर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) कल्पना को रसायन क्यों कहा गया है ?

(घ) 'पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है ।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(क) किसके बच्चों की बात की गई है, वे नीड़ों से क्यों झाँक रहे हैं ?

(ख) चिड़ियों की उड़ान में गति आने और कवि के शिथिल क़दमों के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) कवि अपने आप से क्या प्रश्न करता है ? क्यों ?

(घ) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी ।

(क) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) प्रयुक्त आलंकारिक सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3+3=6*

(क) 'कविता के बहाने' कविता में कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ख) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को 'बादल राग' कविता रेखांकित करती है ?

(ग) कवितावली से आपकी पाठ्य-पुस्तक में उद्धृत छंदों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ है ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो और मन ख़ाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है । जेब ख़ाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है ।

(क) 'बाज़ार में एक जादू है' कथन का क्या आशय है ? यह जादू कैसे काम करता है ?

(ख) इस जादू की मर्यादा क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मन ख़ाली होने का क्या अर्थ है ? इसका परिणाम क्या होता है ?

(घ) मन पर जादू का असर कब और कैसे दिखाई देता है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3×4=12*

(क) शिरीष और महात्मा गाँधी की तुलना किस आधार पर की गई है ?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए ।

(ग) पहलवान की ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ? कैसे ?

(घ) आपके विचार से चार्ली चैप्लिन की सर्व-स्वीकार्यता के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ङ) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

13. भूषण के द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देने पर यशोधर पंत के मन में उत्साह का अभाव किन जीवन मूल्यों की उपेक्षा के कारण दिखाई देता है ? बुज़ुर्ग पीढ़ी हमसे क्या अपेक्षा करती है ? (लगभग 150 शब्दों में लिखिए) *5*

14. (क) आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में 'जूझ' के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? लगभग 150 शब्दों में तर्क सहित उत्तर दीजिए । *5*

(ख) "सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।" सोदाहरण पुष्टि कीजिए । (लगभग 150 शब्दों में) *5*

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

अप्रैल, 2018

अंक योजना – हिन्दी (केन्द्रिक) कोड संख्या 2/1, 2/2, 2/3

विशेष निर्देश : माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक योजना पर भली–भाँति विचार–विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
6. यदि परीक्षार्थी ने किसी, किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जहाँ उत्तर अधिक अच्छा लिखा गया है तो उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें।
7. प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को काट दें।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि पर बार–बार अंक न काटें।
9. निर्धारित शब्द सीमा से विचलन पर अंक न काटे जाएँ।
10. प्रायः यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 प्रतिशत अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं , या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट लेते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक भी दिए जा सकते हैं।
11. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस पर गलत (x) चिह्नित कर (0) अंक दिए जाएँ।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
अप्रैल, 2018
अंक योजना, हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII कूटबंध – 2/1, 2/2, 2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				<u>**खंड – क**</u>	
1.	1. क	2. क	1. क	• भाषा के मुद्दे से लाभ लेने वाले राजनैतिक सोच वाले लोग • हिंदी के विषय में या उसके विरोध में जब कोई हलचल होती है	1+1=2
	ख	ख	ख	• भारत गणतंत्र/भारत सरकार, हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए और उसका विकास करे	1+1=2
	ग	ग	ग	• अंग्रेजी भाषा की मानसिकता से उबरने के लिए • अपनी भाषा की अस्मिता बचाने और भविष्य के संकट से उबरने के लिए **(अन्य उपयुक्त बिन्दु भी स्वीकार्य)**	1+1=2
	घ	घ	घ	• हिंदी के अतिरिक्त अन्य वे भाषाएँ जो संविधान में उल्लिखित हैं • उनके रूप, शैली, शब्द भंडार आदि से हिंदी को सम्पन्न करना	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ङ	ङ	ङ	• अंग्रेजी भाषा और उसका प्रयोग करने वाले का अधिक महत्व • मानसिक गुलामी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का भविष्य खतरे में पड़ना	1+1=2
	च	च	च	• शिक्षा, व्यापार, सरकारी कार्यालयों और व्यवहार में हिंदी को महत्व न मिलना • युवा पीढ़ी पर अंग्रेजी मानसिकता हावी	1+1=2
	छ	छ	छ	• हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं के प्रयोग से विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें बढ़ावा मिलना • शिक्षा, व्यापार एवं दैनिक व्यवहार में अधिक से अधिक प्रयोग करके (अन्य भी स्वीकार्य)	2
	ज	ज	ज	''हिंदी भाषा'', (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
2.	2.	1	2.		
	क	क	क	• असहाय होकर क्षमा करने पर कलंक • क्षमतावान होने पर भी क्षमा करने से श्रृंगार	½+½=1
	ख	ख	ख	• बदला लेना • आत्मसम्मान की रक्षा हेतु	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ग	ग	ग	• विजयी होकर भी क्षमा करना विभूषण • पराजित होकर सहष्णुिता दिखाना अभिशाप है	½+½=1
	घ	घ	घ	• लोभ और स्वार्थवश किया गया युद्ध	1
	ङ	ङ	ङ	• पराक्रम व नीति युक्त लड़ाई ही धर्मयुद्ध है	1
				<u>खंड ख</u>	
3.	3.	4.	3.	**किसी एक विषय पर अनुच्छेद लेखन** • आरंभ और समापन –2 • विषय वस्तु –2 • भाषा –1	5
4.	4.	3.	4.	**पत्र–लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ –1 • विषय वस्तु –3 • भाषा प्रस्तुति –1	5
5.	5. क	5 घ	6 क	• फैशन, ग्लैमर, अमीरों की पार्टियों और लोकप्रिय जाने–माने लोगों के जीवन की जानकारी देने वाली सामग्री	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ख	ड.	ख	• जो किसी समाचार संगठन के लिए दिए गए काम के अनुसार निश्चित मानदेय पर काम करना	1
	ग	क	ग	• किसी विशेष क्षेत्र जैसे–कृषि, विज्ञान, तकनीकी, व्यापार आदि की तह में जाकर उसका अर्थ स्पष्ट करना, मुद्दों, समस्याओं का सूक्ष्म विश्लेषण करना, आम पाठक को उसका महत्व बताना	**1**
	घ	ख	घ	• संवाददाताओं के बीच उनकी जानकारी और रुचि के आधार पर किए गए कार्य–विभाजन	1
	ङ	ग	ड.	• सस्ता व सुलभ साधन • अन्य कार्य करते हुए भी रेडियो का उपयोग संभव • व्यापक प्रसार, दूर–दराज के क्षेत्रों तक पहुँच • अनपढ़ लोगों के लिए भी उपयोगी • अपनी पसंद से कहीं भी, कभी भी सुन सकते हैं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
6	6	7	4	**आलेख लेखन** • विषय वस्तु –2 • प्रस्तुतीकरण –2 • भाषा –1 **अथवा** **पुस्तक समीक्षा लेखन** • पुस्तक व लेखक का नाम –1 • विषय–वस्तु –3 • भाषा एंव प्रस्तुति –1	5 5
7	7	6	5	**फीचर लेखन** • विषय वस्तु –2 • प्रस्तुतीकरण –2 • भाषा –1 **खंड – ग**	5
8	8 क	8 क	8 क	(बच्चे ————————————है।) • चिड़िया के; • माता–पिता और भोजन की प्रतीक्षा में	1+1=2
	ख	ख	ख	• चिड़िया को भूखे बच्चों से मिलने की उत्सुकता • कवि की प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ग	**ग**	ग	• मुझसे मिलने को कौन बेचैन है, मेरे मन में उत्साह क्यों हो • अकेलेपन के कारण	1+1=2
	घ	घ	घ	• समय परिवर्तनशील है, गतिमान है	1+1=2
				अथवा	
	क	क	क	(छोटा ————————विशेष) • खेत और पन्ना दोनों चौकोर • खेत में बीज डाल कर फसल उगाते हैं कविता में किसी एक विचार पर कविता लेखन • अन्न क्षुधापूर्ति करता है, काव्य–रस असीम आनंद प्रदान करता है (कोई दो बिंदु)	1+1=2
	ख	ख	ख	• भावों और विचारों की आँधी; उन्हीं भावों विचारों से कविता का निर्माण	1+1=2
	ग	ग	ग	• जैसे बीज के विकास में रसायन की भूमिका वैसे ही किसी भाव या विचार को विकसित करने में कल्पना की भूमिका महत्वपूर्ण	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	घ	घ	घ	• जैसे पौधा पल्लवित और पुष्पित होकर झुक जाता है और बीज गल जाता है उसी प्रकार कवि का अहम् नष्ट होते ही रचना सर्वजन–हिताय हो जाती है और शब्दों के अंकुर फूटते ही रचना भी नमित हो जाती है	2
9	9 क	10 क	9 क	(आँगन....................................हँसी ।) • खड़ी–बोली • हिंदी–उर्दू मिश्रित शब्दावली • चित्रात्मक भाषा • चाँद का टुकड़ा जैसे मुहावरों से भाषा में सहजता वा माधुर्य • लोका देना– आंचलिक शब्द का प्रयोग • रूबाई छंद (कोई दो बिंदु स्वीकार्य)	1+1=2
	ख	ख	ख	• वात्सल्य भाव स्पष्ट, माँ अपने बेटे को गोद में लेकर झुला रही है बच्चा किलकारी मार रहा है, माँ और बेटा दोनों खुश	2
	ग	ग	ग	• स्वभावोक्ति अलंकार – माँ द्वारा बच्चे को झुलाना, लोका देना, बच्चे का हँसना, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार – रह–रह, रूपक अलंकार–चाँद के टुकड़े (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
10	10 क	9 क	10 क	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** • किसान के पास खेती के साधन नहीं • भिखारी को भीख नहीं • नौकर जीविका विहीन • व्यापारी का व्यापार चौपट • कुछ लोग पेट भरने के लिए अपने बेटा–बेटी बेचते हैं (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)	2x3=6 3
	ख	ख	ग	• बच्चों के सपने असीम, कवि की कल्पना असीम • बच्चों के खेल सीमाहीन, कविता की उड़ान असीम • कविता शब्दों का खेल, बच्चों के खेल में घर–बाहर , ऊँच–नीच आदि में कोई भेद नहीं	3
	ग	ग	ख	• बादलों की गर्जना • बिजली का चमकना • मूसलाधार वर्षा • बीजों का अंकुरण • छोटे–छोटे पौधे हवा के चलने से हाथ हिलाते जान पड़ते हैं • कमल के फूल से जल की बूँदों का टपकना • कीचड. का साफ होना (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
11	11 क	11 क	11 क	• आकर्षण; • व्यक्ति को अपनी ओर सम्मोहित करता है • खरीददारी के लिए ललचाता है	1+1=2
	ख	ख	ख	• मर्यादा तब तक जब तक जेब भरी एवं मन खाली हो। मन के भरे होने पर बाजार के जादू का असर नहीं होता	2
	ग	ग	ग	• निश्चित न होना कि वास्तव में क्या खरीदना है ? • अनावश्यक वस्तुओं की खरीददारी	1+1=2
	घ	घ	घ	• जेब भरी व मन खाली • सारा सामान आवश्यक लगना	1+1=2
12	12	12	12	**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	3x4=12
	क	घ	ख	• परम आवश्यक वस्तु का त्याग ही सर्वोच्च दान है • मेंढक–मंडली पर चढ़ाया हुआ पानी देवता पर चढ़ाया गया अर्घ्य है जो बाद में कई गुना जल के रूप में मिलता है	1½+1½=3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ख	ड.	ग	• संजीवनी शक्ति का काम • मनोबल बढ़ाना • भय के सन्नाटे को चीरना, • मृत्यु को सहज भाव से स्वीकार कर पाते थे	1+1+1=3
	ग	क	घ	• वर्ण और वर्ग व्यवस्था को तोड़ा • आम आदमी के जीवन के साथ सहज तारतम्य • आम आदमी की संवेदना से जुड़ा होना • जीवन की विडंबनाओं और विद्रूपता का संवेदनशील अंकन • मानवीयता के करीब/दयामय • कला के एकाधिकार को समाप्त करने के कारण (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)	3
	घ	ख	ड.	• भारत–पाक विभाजन की त्रासदी • विस्थापितों का दर्द/भावनाओं की मार्मिक अभिव्यक्ति • मातृभूमि के प्रति लगाव का राजनीति से कोई सरोकार नहीं • अपने–अपने वतन से लगाव व प्रेम को दर्शाना • राजनीतिक कारणों से जमीन का बँटवारा लेकिन भावनाओं का नहीं (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ड.	ग	क	• दोनों बाहर से कठोर एवं दृढ़ लेकिन भीतर से कोमल • प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अविचलित • दोनों हानि –लाभ से परे	1+1+1=3
13	13	13	13	• युवा पीढ़ी द्वारा बुजुर्गों की भावनाओं को नहीं समझ पाना • भावनाओं की अपेक्षा वस्तु को महत्व देना • जिम्मेदारियों का अहसास न होना • आदर, सम्मान, आज्ञापालन, अनुशासन • उनसे सलाह–मशवरा करने की अपेक्षा • अन्य मूल्यों का पालन करने की अपेक्षा (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	3+2=5
14	14 क	14 ख	14 क	• विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य	5
	ख	क	ख	• शहर का व्यवस्थित ढाँचा • मकानों की बनावट में सुविधाओं का ध्यान • सड़कों की योजनाबद्ध बनावट , उचित चौड़ाई	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				• ग्रिड शैली • ढकी नालियाँ • स्नानागार • नगर योजना वास्तुकला के अनुरूप • विशिष्ट जल – व्यवस्था • अन्न भंडारण • हथियारों का न मिलना • महल, मंदिर आदि में भव्यता का दिखाई न देना (किन्हीं पाँच बिंदुओं का उल्लेख करते हुए उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)	